BRIDGE COURSE

Course No. 6 ALL ASSIGNMENT

Pedagogy of The World Around Us

SECTION A

Task 1:

Critically analyze the present NCERT (Our Wondrous World) / state board EVS textbook and present a written report. Aspects of analysis should include language, illustrations, content organization, inclusion, stereotypes, assessment etc.

KENWALQ2 YOUTUBE / PHONE POY / WHATSAPP 7055867037

वर्तमान NCERT (Our Wondrous World) / राज्य बोर्ड EVS पाठ्यपुस्तक का समालोचनात्मक विश्लेषण भूमिका

पर्यावरण अध्ययन (**EVS**) की पाठ्यपुस्तकें बच्चों को उनके आसपास की दुनिया को समझने, जिज्ञासा जगाने और पर्यावरण के प्रति संवेदनशील बनाने का कार्य करती हैं। **NCERT** द्वारा प्रकाशित "**Our Wondrous World**" (कक्षा **3**) तथा राज्य बोर्ड की **EVS** पुस्तकों का उद्देश्य बच्चों में पर्यावरणीय चेतना, वैज्ञानिक दृष्टिकोण, और सामाजिक-सांस्कृतिक विविधता को समझने की क्षमता विकसित करना है। इस रिपोर्ट में भाषा, चित्रण, विषयवस्तु संगठन, समावेशन, रूढ़ियाँ, मूल्यांकन आदि बिंदुओं पर पुस्तक का समालोचनात्मक विश्लेषण प्रस्तुत किया गया है।

1. भाषा (Language)

- सरलता और स्पष्टता:
  पुस्तक की भाषा बच्चों के स्तर के अनुसार सरल, स्पष्ट और संवादपरक है। छोटे वाक्य, बोलचाल की शैली, और स्थानीय शब्दों का प्रयोग बच्चों को विषय से जोड़ता है।
- बहुभाषिता:
  कुछ स्थानों पर स्थानीय भाषाओं/शब्दों का उल्लेख किया गया है, जिससे विविधता का आभास होता है।
- बातचीत और प्रश्नोत्तर:
  अध्यायों की शुरुआत सवालों, संवाद, और बच्चों की सोच को उकसाने वाले कथनों से होती है, जिससे बच्चे सक्रिय रूप से भाग लेते हैं।
- साक्षरता का विकास:
  भाषा का स्तर कक्षा **3** के बच्चों के लिए उपयुक्त है, जिससे वे पढ़ना, समझना और लिखना सीखते हैं।

2. चित्रण (Illustrations)

- रंगीन और आकर्षक चित्र:
  प्रत्येक अध्याय में रंगीन चित्र, स्केच, और वास्तविक जीवन के दृश्य दिए गए हैं, जो बच्चों का ध्यान आकर्षित करते हैं।
- विविधता:
  चित्रों में ग्रामीण, शहरी, पहाड़ी, रेगिस्तानी, तटीय क्षेत्रों का समावेश है। विभिन्न जाति, धर्म, लिंग, और आर्थिक पृष्ठभूमि के लोगों को दर्शाया गया है।
- समझ को बढ़ाने वाले:
  चित्र केवल सजावट के लिए नहीं, बल्कि अवधारणाओं को स्पष्ट करने के लिए हैं—जैसे, जल स्रोत, पशु-पक्षी, परिवार, भोजन आदि।
- कुछ सीमाएँ:
  कभी-कभी चित्रों की संख्या अधिक होती है, जिससे मुख्य विषय से ध्यान हट सकता है। कुछ चित्रों की गुणवत्ता सुधार की मांग करती है।

3. विषयवस्तु संगठन (Content Organization)

- क्रमिकता और तार्किकता:
  अध्यायों का क्रम बच्चों के अनुभव, परिवेश और जिज्ञासा के अनुसार रखा गया है। पहले अध्यायों में स्वयं, परिवार, परिवेश; बाद में प्राकृतिक संसाधन, जीव-जंतु, सामाजिक मुद्दे।
- एकीकृत दृष्टिकोण:
  पुस्तक में विज्ञान, सामाजिक अध्ययन, स्वास्थ्य, और नैतिक शिक्षा का एकीकरण है।
- गतिविधि आधारित:
  प्रत्येक अध्याय के बाद गतिविधियाँ, प्रयोग, खेल, समूह चर्चा आदि दिए गए हैं, जिससे अधिगम अनुभवजन्य और रुचिकर बनता है।
- वास्तविक जीवन से संबंध:
  उदाहरण, कथाएँ, और केस स्टडी बच्चों के दैनिक जीवन से जुड़े हैं।

4. समावेशन (Inclusion)

- सांस्कृतिक विविधता:
  विभिन्न राज्यों, भाषाओं, रीति-रिवाजों, भोजन, पहनावे, त्योहारों का उल्लेख है।
- लैंगिक समावेशन:
  लड़के-लड़कियों को समान रूप से चित्रों और कथाओं में स्थान दिया गया है।
- विशेष आवश्यकता वाले बच्चों का उल्लेख:
  कुछ अध्यायों/चित्रों में दिव्यांग बच्चों को भी दिखाया गया है, परंतु समावेशन को और सशक्त किया जा सकता है।

KENWOOD2 YOUTUBE PHOTE BY WHATSAPP 7055667037

- सामाजिक-आर्थिक विविधता:
  गरीब, अमीर, ग्रामीण, शहरी बच्चों के अनुभवों का समावेश है।
- समावेशी गतिविधियाँ:
  समूह कार्य, चर्चा, और सहयोगी अधिगम पर बल।

5. रूढ़ियाँ (Stereotypes)

- रूढ़ियों से बचाव:
  पुस्तक में लैंगिक, जातीय, धार्मिक या सामाजिक रूढ़ियों से बचने का प्रयास किया गया है।
- समान अवसर:
  लड़के और लड़की दोनों को पढ़ाई, खेल, घर के काम आदि में समान रूप से दिखाया गया है।
- धार्मिक विविधता:
  विभिन्न धर्मों के त्योहार, रीति-रिवाज बिना भेदभाव के प्रस्तुत किए गए हैं।
- कुछ सुधार की आवश्यकता:
  कभी-कभी पारंपरिक भूमिकाएँ (जैसे—माँ खाना बनाती है, पिता काम पर जाते हैं) चित्रों में दिख जाती हैं, जिन्हें और संतुलित किया जा सकता है।

6. मूल्यांकन (Assessment)

- गतिविधि आधारित मूल्यांकन:
  प्रत्येक अध्याय के अंत में प्रश्न, गतिविधियाँ, चित्र पहचान, समूह चर्चा आदि दिए गए हैं।
- समझ पर आधारित:
  रटने के बजाय, समझ, विश्लेषण, प्रयोग, और प्रस्तुतिकरण पर बल।
- सतत एवं समग्र मूल्यांकन (CCE):
  वर्कशीट्स, परियोजना, मौखिक प्रस्तुति, सहपाठी मूल्यांकन आदि का समावेश।
- सुधार की संभावना:
  मूल्यांकन के प्रश्नों में विविधता बढ़ाई जा सकती है—जैसे, ओपन-एंडेड प्रश्न, केस स्टडी, रचनात्मक कार्य आदि।

7. अन्य विशेषताएँ

- पर्यावरणीय चेतना:
  जल संरक्षण, स्वच्छता, पौधारोपण, पशु-पक्षियों की रक्षा आदि विषयों पर जागरूकता।
- समाज में सहभागिता:
  बच्चों को अपने परिवेश, परिवार, समाज में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया गया है।
- नैतिक शिक्षा:
  सहयोग, संवेदनशीलता, जिम्मेदारी जैसे मूल्यों का समावेश।

8. सुधार के सुझाव

KENWALD2 YOUTUBE / PHONE PAY / WHATSAPP 7055667037

- समावेशिता को और सशक्त बनाएं:
  विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के अनुभव, संकेत भाषा, ब्रेल आदि का उल्लेख बढ़ाएं।
- रूढ़ियों का और संतुलन:
  पारंपरिक भूमिकाओं को चित्रों और कथाओं में संतुलित करें।
- मूल्यांकन में विविधता:
  ओपन-एंडेड, रचनात्मक, और केस स्टडी आधारित प्रश्नों को बढ़ाएं।
- **ICT** और डिजिटल संसाधनों का समावेश:
  QR कोड, वीडियो लिंक, ऑनलाइन गतिविधियाँ जोड़ें।
- अधिक स्थानीयकरण:
  स्थानीय परिवेश, भाषाओं, और समस्याओं को और अधिक स्थान दें।

निष्कर्ष

NCERT की "**Our Wondrous World**" या राज्य बोर्ड की **EVS** पाठ्यपुस्तक बच्चों के लिए पर्यावरण अध्ययन को रुचिकर, अनुभवजन्य और समावेशी बनाने का सफल प्रयास है।
भाषा, चित्रण, विषयवस्तु संगठन, समावेशन, मूल्यांकन आदि में संतुलन और विविधता है।
फिर भी, समावेशिता, रूढ़ियों का संतुलन, मूल्यांकन की विविधता, और **ICT** संसाधनों के समावेश में सुधार की आवश्यकता है।
शिक्षक को चाहिए कि वे पाठ्यपुस्तक का रचनात्मक प्रयोग करें, बच्चों को सक्रिय सहभागिता के लिए प्रेरित करें, और स्थानीय परिवेश को अधिगम से जोड़ें।
इस प्रकार, **EVS** शिक्षा बच्चों को न केवल अपने आसपास की दुनिया समझने, बल्कि उसे संवेदनशील और जिम्मेदार नागरिक बनने की ओर अग्रसर करती है।

JEENWALA2 YOUTUBE / PHONE Pay / WHATSAPP 7055667037

Task 2:

Write a report on the curricular and pedagogic recommendations of NCF-SE 2023 and NCF-FS 2022 for The World Around Us at preparatory stage.

NCF-SE 2023 और NCF-FS 2022 के अनुसार Preparatory Stage पर "The World Around Us" के लिए पाठ्यचर्या एवं शिक्षणशास्त्रीय अनुशंसाओं पर रिपोर्ट भूमिका

"द वर्ल्ड अराउंड अस" **(The World Around Us)** विषय, प्राथमिक स्तर पर बच्चों को उनके परिवेश, प्रकृति, समाज, और पर्यावरण के प्रति जिज्ञासु एवं संवेदनशील बनाता है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति **2020** के बाद, **NCF-SE 2023 (National Curriculum Framework for School Education)** और **NCF-FS 2022 (National Curriculum**

Framework for Foundational Stage) ने इस विषय के लिए नई पाठ्यचर्या और शिक्षणशास्त्रीय दिशा-निर्देश दिए हैं। इस रिपोर्ट में **Preparatory Stage** (कक्षा **3-5)** के लिए दोनों ढाँचों की अनुशंसाओं का विश्लेषण किया गया है।

1. पाठ्यचर्या संबंधी अनुशंसाएँ (Curricular Recommendations) (क) NCF-SE 2023 की अनुशंसाएँ

- समग्र एवं एकीकृत दृष्टिकोण
  – "**The World Around Us**" को विज्ञान, सामाजिक अध्ययन, पर्यावरण, स्वास्थ्य, और नैतिक शिक्षा से जोड़कर पढ़ाया जाए।
  – विषय को बच्चों के वास्तविक जीवन और अनुभवों से जोड़ा जाए।
- सांस्कृतिक, सामाजिक और प्राकृतिक विविधता
  – पाठ्यक्रम में भारत की विविधता (भाषा, संस्कृति, खानपान, त्योहार, जलवायु, जीव-जंतु) को स्थान दिया जाए।
  – बच्चों को अपने स्थानीय परिवेश और देश के विभिन्न हिस्सों के बारे में जानने का अवसर मिले।
- स्थानीयकरण एवं प्रासंगिकता
  – बच्चों के स्थानीय अनुभव, समस्याएँ, और परिवेश को पाठ्यक्रम में शामिल किया जाए।
  – स्थानीय उदाहरणों, कहानियों, लोककथाओं, और चित्रों का उपयोग।
- समावेशिता **(Inclusion)**
  – सभी सामाजिक-आर्थिक, सांस्कृतिक, और शारीरिक रूप से भिन्न बच्चों के अनुभवों को शामिल किया जाए।
  – लैंगिक, जातीय, धार्मिक विविधता का सम्मान।
- पर्यावरणीय जागरूकता
  – जल, वायु, भूमि, पौधों, पशुओं, और मानव क्रियाओं के बीच संबंध समझाने पर बल।
  – सतत विकास, स्वच्छता, स्वास्थ्य, और संरक्षण जैसे मुद्दों को पाठ्यक्रम में स्थान।
- **21**वीं सदी के कौशल
  – जिज्ञासा, समस्या समाधान, विश्लेषण, रचनात्मकता, सहयोग, और संवाद कौशल का विकास।

(ख) NCF-FS 2022 की अनुशंसाएँ

- अनुभवजन्य एवं खोज आधारित अधिगम
  – बच्चों को अपने आसपास की दुनिया को देखने, छूने, अनुभव करने, और प्रश्न पूछने के लिए प्रेरित किया जाए।
- गतिविधि आधारित पाठ्यक्रम
  – खेल, समूह कार्य, परियोजना, चित्र, मॉडल, और वास्तविक जीवन की गतिविधियों के माध्यम से अधिगम।

KENWOOD YOUTUBE / PHONE POV / WHATSAPP 7055667037

- सांस्कृतिक एवं सामाजिक विविधता
  – स्थानीय परंपराओं, रीति-रिवाजों, त्योहारों, और सामाजिक व्यवहार को पाठ्यक्रम में शामिल करना।
- समावेशिता एवं समान अवसर
  – सभी बच्चों के अनुभवों, संस्कृति, भाषा, और विशेष आवश्यकताओं का ध्यान रखना।
- पर्यावरणीय संवेदनशीलता
  – प्रकृति, पर्यावरण, और संसाधनों के प्रति संवेदनशीलता जागृत करना।

2. शिक्षणशास्त्रीय अनुशंसाएँ (Pedagogic Recommendations) (क) NCF-SE 2023 की अनुशंसाएँ

- अनुभवजन्य अधिगम (**Experiential Learning**)
  – बच्चों को अपने परिवेश में जाकर, चीजें देखने, छूने, और अनुभव करने के लिए प्रेरित करना।
  – स्कूल के बाहर भ्रमण, प्रकृति अवलोकन, स्थानीय बाजार/गाँव/शहर की सैर।
- प्रश्नोन्मुख शिक्षा (**Inquiry-based Learning**)
  – बच्चों को प्रश्न पूछने, खोजने, और उत्तर खोजने के लिए प्रोत्साहित करना।
  – "क्यों?", "कैसे?", "क्या होगा?" जैसे प्रश्नों पर चर्चा।
- सहयोगी एवं समूह अधिगम
  – समूह में कार्य, विचार-विमर्श, और सहपाठी शिक्षण।
- बहु-संवेदी दृष्टिकोण (**Multi-sensory Approach**)
  – देखने, सुनने, छूने, और करने के अनुभवों के माध्यम से अधिगम।
- समावेशी शिक्षण
  – विविध पृष्ठभूमि के बच्चों के लिए अनुकूलित शिक्षण विधियाँ।
  – चित्र, कहानी, खेल, वीडियो आदि का प्रयोग।
- मूल्यांकन में विविधता
  – केवल लिखित परीक्षा नहीं, बल्कि गतिविधि, परियोजना, मौखिक प्रस्तुति, चित्र, और सहपाठी मूल्यांकन।

(ख) NCF-FS 2022 की अनुशंसाएँ

- खेल एवं गतिविधि आधारित शिक्षा
  – "**The World Around Us**" को खेल, प्रयोग, कहानी, और गतिविधियों के माध्यम से सिखाना।
- अन्वेषण एवं अवलोकन
  – बच्चों को अपने परिवेश का अवलोकन करने, वस्तुओं को पहचानने, और अनुभव साझा करने के लिए प्रेरित करना।
- सहयोगी अधिगम
  – समूह में कार्य, विचार-विमर्श, और साझा अनुभव।
- बहु-संवेदी शिक्षण
  – चित्र, मॉडल, वीडियो, ऑडियो, और वस्तुओं के माध्यम से अधिगम।

KENWALA YOUTUBE / PHONEPAY / WHATSAPP 7055667037

- सतत एवं समग्र मूल्यांकन
  – बच्चों की भागीदारी, गतिविधि, प्रस्तुति, और समझ पर आधारित मूल्यांकन।

3. अधिगम परिणाम (Learning Outcomes)

- बच्चों में पर्यावरण, समाज, और प्रकृति के प्रति जिज्ञासा एवं संवेदनशीलता।
- स्थानीय और वैश्विक समस्याओं की समझ।
- सहयोग, संवाद, और रचनात्मकता का विकास।
- पर्यावरणीय संरक्षण, स्वच्छता, और सतत विकास के प्रति जागरूकता।
- विविधता और समावेशिता का सम्मान।

4. सुधार के सुझाव

- स्थानीयकरण को और बढ़ाएँ:
  बच्चों के स्थानीय अनुभव, समस्याएँ, और भाषा को पाठ्यक्रम में अधिक स्थान दें।
- **ICT** और डिजिटल संसाधनों का समावेश:
  वीडियो, ऑडियो, डिजिटल गेम्स, और ऑनलाइन गतिविधियाँ जोड़ें।
- समावेशिता को सशक्त करें:
  विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिए अनुकूलित सामग्री और गतिविधियाँ बनाएं।
- मूल्यांकन में विविधता:
  ओपन-एंडेड प्रश्न, परियोजना, प्रस्तुति, और सहपाठी मूल्यांकन को बढ़ावा दें।

निष्कर्ष

NCF-SE 2023 और **NCF-FS 2022** की अनुशंसाएँ **"The World Around Us"** विषय को बच्चों के लिए अनुभवजन्य, समावेशी, और जिज्ञासु बनाने पर बल देती हैं।
पाठ्यचर्या में विविधता, स्थानीयता, समावेशिता, और पर्यावरणीय जागरूकता को महत्व दिया गया है।
शिक्षणशास्त्रीय दृष्टिकोण में गतिविधि, अनुभव, सहयोग, और बहु-संवेदी अधिगम को प्राथमिकता दी गई है।
इन अनुशंसाओं के अनुरूप शिक्षण से बच्चों में न केवल विषय की समझ, बल्कि **21**वीं सदी के कौशल, संवेदनशीलता, और जिम्मेदार नागरिकता विकसित होती है।

KENWYLA2 YOUTUBE / PHONE PAY / WHATSAPP 7055667037

Task 3:

Prepare an integrated unit plan to teach a topic in 'The World Around Us' detailing how it can be used to promote interdisciplinarity (Art and sports

integration, other curricular areas like languages, Mathematics etc.) for class 1 or 2.

एकीकृत यूनिट योजना: हमारे आसपास के पौधे कक्षा: 2 विषय: The World Around Us अवधि: 7 दिन भूमिका

"हमारे आसपास के पौधे" विषय बच्चों को उनके पर्यावरण, प्रकृति, और समाज से जोड़ता है। **NCF-SE 2023** एवं **NCF-FS 2022** के अनुसार, एकीकृत **(integrated)** शिक्षण-पद्धति बच्चों के सर्वांगीण विकास, जिज्ञासा, रचनात्मकता, और विभिन्न विषयों के आपसी संबंध को समझने में सहायक है। इस यूनिट योजना में कला, खेल, भाषा, गणित, और विज्ञान का समावेश किया गया है ताकि बच्चे पौधों के महत्व को बहुआयामी दृष्टिकोण से समझ सकें।

यूनिट के उद्देश्य

- बच्चों को अपने आसपास के पौधों की पहचान और उनके महत्व की समझ विकसित कराना।
- पौधों के जीवन चक्र, उपयोग, और देखभाल के बारे में जानकारी देना।
- कला, खेल, भाषा, गणित आदि विषयों में एकीकरण द्वारा समग्र अधिगम को बढ़ावा देना।
- बच्चों में पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता एवं संरक्षण की भावना विकसित करना।

यूनिट की रूपरेखा **(Day-wise Plan)** दिन **1:** पौधों की पहचान और अवलोकन

- गतिविधि:
  – बच्चों को स्कूल के बगीचे या आसपास ले जाएँ।
  – विभिन्न प्रकार के पौधों (वृक्ष, झाड़ी, घास, फूल वाले पौधे आदि) को दिखाएँ।
  – बच्चे पौधों को छूएँ, पत्तियाँ देखें, रंग और आकार पहचानें।
- इंटरडिसिप्लिनरी लिंक:
  – भाषा: पौधों के नाम हिंदी व अंग्रेज़ी में बोलना और लिखना।
  – कला: पत्तियों की छपाई **(Leaf Printing)** से चित्र बनाना।

दिन **2:** पौधों के भाग और उनका उपयोग

- गतिविधि:
  – पौधे के मुख्य भाग (जड़, तना, पत्ती, फूल, फल) की पहचान कराएँ।
  – बच्चों को असली पौधे या चार्ट पर दिखाएँ।
- इंटरडिसिप्लिनरी लिंक:
  – गणित:
  - पत्तियाँ गिनना, तुलना करना (किस पौधे पर अधिक/कम पत्तियाँ?)
  - तने की लंबाई मापना (स्केल से)

KENWALD2 YOUTUBE / PHONE PAY / WHATSAPP 7055667037

– भाषा:
- "पौधे के भाग" पर कविता या कहानी सुनाना।
- नए शब्दों की सूची बनाना।

दिन 3: पौधों का महत्व

- गतिविधि:
  – चर्चा: पौधे हमें क्या देते हैं? (ऑक्सीजन, भोजन, दवा, छाया, लकड़ी आदि)
  – चित्रों या वस्तुओं के माध्यम से उदाहरण देना।
- इंटरडिसिप्लिनरी लिंक:
  – कला:
  - "पौधे और उनके उपयोग" पर पोस्टर बनाना।
  – भाषा:
  - छोटे वाक्य लिखना: "पेड़ हमें फल देते हैं।"
  – सामाजिक विज्ञान:
  - जीवन में पौधों का स्थान, त्योहारों और रीति-रिवाजों में पौधों का महत्व।

दिन 4: बीज से पौधा (Life Cycle of a Plant)

- गतिविधि:
  – बीज बोना (कक्षा में गमले या कप में मूंग/चने के बीज बोना)।
  – हर दिन उसका अवलोकन और रिकॉर्डिंग करना।
- इंटरडिसिप्लिनरी लिंक:
  – गणित:
  - बीज बोने के बाद कितने दिन में अंकुर फूटता है? (दिन गिनना, चार्ट बनाना)
  – भाषा:
  - "मेरे पौधे की कहानी" – बच्चों से दो-तीन वाक्य लिखवाना।

दिन 5: पौधे और खेल

- गतिविधि:
  – "पेड़-पौधे खोजो" खेल: शिक्षक पौधों के नाम पुकारें, बच्चे उन्हें पहचानकर दौड़ें।
  – "पत्तियों की दौड़": पत्तियों को लाइन से फिनिश तक फूंक मारकर पहुँचाना।
- इंटरडिसिप्लिनरी लिंक:
  – खेल/**Physical Education:**
  - दौड़, समूह खेल, संतुलन
  – गणित:
  - कौन-सी पत्ती सबसे पहले पहुँची? (क्रम, गिनती)

KENWALA2 YOUTUBE / PHONE PAY / WHATSAPP 7055667037

दिन 6: पौधों की देखभाल और संरक्षण

- गतिविधि:
  – पौधों को पानी देना, सूखी पत्तियाँ हटाना, पौधारोपण करना।
  – "हम पौधों की रक्षा कैसे करें?" चर्चा।
- इंटरडिसिप्लिनरी लिंक:
  – भाषा:
  - "पेड़ बचाओ" पर नारा लेखन या कविता।
  – कला:
  - "ग्रीन इंडिया" पर रंगोली या चित्र बनाना।
  – सामाजिक विज्ञान:
  - पर्यावरण संरक्षण के महत्व पर चर्चा।

दिन 7: पुनरावृत्ति, प्रस्तुति और मूल्यांकन

- गतिविधि:
  – समूह में बच्चों से सीखा हुआ प्रस्तुत करवाएँ (कविता, पोस्टर, कहानी, चार्ट)।
  – पौधों से संबंधित प्रश्नोत्तरी (**Quiz**)।
  – बीज बोने की प्रक्रिया और अवलोकन का साझा करना।
- इंटरडिसिप्लिनरी लिंक:
  – भाषा:
  - समूह चर्चा, कहानी सुनाना
  – कला:
  - अपने पौधे का चित्र बनाना
  – गणित:
  - पौधों की गिनती, दिनों का चार्ट
  – खेल:
  - पौधे से जुड़े खेल दोहराना

मूल्यांकन (**Assessment**)

- बच्चों की भागीदारी, गतिविधियों में रुचि, समूह कार्य, कला कार्य, कहानी/कविता लेखन, और अवलोकन रिकॉर्ड के आधार पर मूल्यांकन।
- मौखिक प्रश्न, वर्कशीट, और प्रस्तुति द्वारा समझ की जाँच।
- सहपाठी मूल्यांकन (**Peer Assessment**) – कौन-सा बच्चा किस गतिविधि में सबसे अच्छा था।

समाकलन (**Integration**) के लाभ

- कला: चित्रकारी, पोस्टर, रंगोली, पत्तियों की छपाई आदि से रचनात्मकता का विकास।

KENWORD2 YOUTUBE / PHONE PoY / WHATSAPP 7055667037

- खेल: दौड़, खोज, संतुलन आदि से शारीरिक विकास।
- गणित: गिनती, माप, तुलना, चार्ट बनाना – संख्यात्मक कौशल।
- भाषा: नए शब्द, वाक्य, कविता, कहानी – भाषा कौशल।
- सामाजिक विज्ञान: प्रकृति, पर्यावरण, त्योहार, संरक्षण – सामाजिक एवं पर्यावरणीय समझ।

निष्कर्ष

"हमारे आसपास के पौधे" विषय पर एकीकृत यूनिट योजना के माध्यम से बच्चों को न केवल पौधों की वैज्ञानिक जानकारी मिलती है, बल्कि कला, खेल, गणित, भाषा, और सामाजिक विज्ञान के विभिन्न पहलुओं से जुड़ने का अवसर मिलता है।
इस प्रकार का इंटरडिसिप्लिनरी शिक्षण बच्चों के सर्वांगीण विकास, जिज्ञासा, रचनात्मकता, और पर्यावरणीय संवेदनशीलता को बढ़ावा देता है।
शिक्षक को चाहिए कि वे बच्चों के अनुभव, रुचि और स्थानीयता को ध्यान में रखते हुए इस यूनिट योजना को लचीले ढंग से लागू करें।

KENWAL62 YOUTUBE / PHONEPAY / WHATSAPP 9586667037

Task 4:

Watch and critically analyze a video on any topic of foundational/preparatory stage from DIKSHA portal and present a detailed report.

DIKSHA पोर्टल के वीडियो का समालोचनात्मक विश्लेषण विषय: "हमारे शरीर के अंग" (EVS – Our Body Parts) कक्षा: 2 (Preparatory Stage) भूमिका

DIKSHA पोर्टल भारत सरकार द्वारा विकसित एक राष्ट्रीय डिजिटल शिक्षण मंच है, जहाँ विभिन्न कक्षाओं और विषयों के लिए गुणवत्तापूर्ण ई-सामग्री उपलब्ध है। यह पोर्टल शिक्षकों, विद्यार्थियों और अभिभावकों के लिए अत्यंत उपयोगी है। प्रस्तुत रिपोर्ट में कक्षा **2** के "हमारे शरीर के अंग" विषय पर आधारित एक वीडियो का समालोचनात्मक विश्लेषण प्रस्तुत किया गया है। इस विश्लेषण में वीडियो की भाषा, प्रस्तुति शैली, सामग्री, समावेशन, **ICT** का प्रयोग, मूल्यांकन, और सुधार के सुझाव शामिल हैं।

1. वीडियो का संक्षिप्त सारांश

- शीर्षक: हमारे शरीर के अंग **(Our Body Parts)**
- अवधि: लगभग **7** मिनट
- विषयवस्तु:
  – शरीर के मुख्य अंगों (सिर, हाथ, पैर, आँख, कान, नाक, मुँह आदि) की पहचान

– प्रत्येक अंग का कार्य
– शरीर की साफ-सफाई और देखभाल के सुझाव
– चित्र, एनिमेशन और गीत के माध्यम से प्रस्तुति

2. भाषा (Language)

- सरल एवं बालमैत्री:
  वीडियो की भाषा बच्चों के स्तर के अनुसार सरल, स्पष्ट और संवादपरक है।
  कठिन शब्दों को उदाहरण और चित्र के माध्यम से समझाया गया है।
- स्थानीयता:
  हिंदी भाषा के साथ-साथ कुछ स्थानों पर स्थानीय शब्दों का भी प्रयोग किया गया है, जिससे बच्चों को विषय समझने में आसानी होती है।
- संवाद शैली:
  शिक्षक की आवाज़ में आत्मीयता और उत्साह है, जिससे बच्चे जुड़े रहते हैं।

3. प्रस्तुति शैली (Presentation Style)

- चित्र और एनिमेशन:
  वीडियो में रंगीन चित्र, आकर्षक एनिमेशन और वास्तविक जीवन के दृश्य प्रयोग किए गए हैं, जिससे बच्चे ध्यानपूर्वक देखते हैं।
  हर अंग की पहचान के लिए अलग-अलग चित्र और एनिमेटेड पात्रों का प्रयोग।
- गीत और कविता:
  शरीर के अंगों की पहचान के लिए एक छोटा गीत या कविता प्रस्तुत की गई है, जिससे बच्चे गुनगुनाते हुए सीखते हैं।
- प्रश्नोत्तर:
  वीडियो के दौरान और अंत में छोटे-छोटे प्रश्न पूछे जाते हैं – "यह कौन-सा अंग है?", "आँखों से हम क्या करते हैं?" आदि।

4. सामग्री (Content)

- संबंधित और उपयुक्त:
  वीडियो की सामग्री कक्षा 2 के पाठ्यक्रम के अनुरूप है।
  शरीर के मुख्य अंगों की पहचान, कार्य, और देखभाल के बिंदु स्पष्ट रूप से समझाए गए हैं।
- व्यावहारिकता:
  बच्चों को रोजमर्रा के जीवन से जोड़कर उदाहरण दिए गए हैं—"हाथों से हम क्या-क्या करते हैं?"।
- सीमाएँ:
  शरीर के आंतरिक अंगों का उल्लेख नहीं है, जो इस स्तर पर उचित भी है।

5. समावेशन (Inclusion)

KENWALO2 YOUTUBE / PHONE PAY / WHATSAPP 7055667037

- लिंग, जाति, क्षेत्रीय विविधता:
  वीडियो में लड़के और लड़की दोनों पात्रों को दिखाया गया है।
  अलग-अलग रंग, पहनावे, और बोलचाल के पात्रों से विविधता का संदेश मिलता है।
- विशेष आवश्यकता वाले बच्चे:
  वीडियो में सीधे तौर पर दिव्यांग बच्चों का उल्लेख नहीं है, परंतु सामग्री ऐसी है कि सभी बच्चे लाभान्वित हो सकते हैं।
- सुझाव:
  यदि अंगों की कमी वाले बच्चों (जैसे—हाथ न हो) के बारे में भी संवेदनशीलता से बताया जाता तो समावेशन और बेहतर होता।

6. ICT एवं डिजिटल संसाधनों का प्रयोग

- एनिमेशन और ग्राफिक्स:
  वीडियो में **ICT** का अच्छा प्रयोग है—चलती-फिरती एनिमेशन, रंगीन चित्र, और आकर्षक ग्राफिक्स।
- इंटरएक्टिविटी:
  वीडियो पूरी तरह इंटरएक्टिव नहीं है (जैसे—बच्चा स्क्रीन पर क्लिक करे), लेकिन प्रश्न पूछकर बच्चों को सोचने के लिए प्रेरित किया गया है।
- ऑडियो-विजुअल का संतुलन:
  आवाज़, संगीत, और चित्रों का संतुलन बच्चों के लिए उपयुक्त है।

7. मूल्यांकन (Assessment)

- समझ जाँचने के लिए प्रश्न:
  वीडियो के बीच-बीच में छोटे प्रश्न पूछे गए हैं—"यह कौन-सा अंग है?", "हम नाक से क्या करते हैं?"
  बच्चों को वीडियो के बाद चित्र पहचानने या अंगों के नाम लिखने को कहा जा सकता है।
- मूल्यांकन की विविधता:
  वीडियो के अंत में गतिविधि या वर्कशीट का सुझाव नहीं है, जिसे जोड़ा जा सकता है।

8. सुधार के सुझाव

- समावेशिता बढ़ाएँ:
  दिव्यांग बच्चों के अनुभव, संकेत भाषा, या ब्रेल आदि का संकेत जोड़ें।
- अधिक इंटरएक्टिविटी:
  वीडियो में छोटे-छोटे खेल या बच्चों से लाइव प्रतिक्रिया लेने वाले हिस्से जोड़े जा सकते हैं।
- मूल्यांकन:
  वीडियो के साथ वर्कशीट, क्विज़, या घर पर करने योग्य गतिविधि का लिंक दिया जाए।
- स्थानीयता:
  विभिन्न राज्यों के बच्चों के पहनावे, भाषा, या बोली का उदाहरण और जोड़ें।

KENWALO YOUTUBE PHONE PAY / WHATSAPP 7055667037

- अभिभावकों के लिए सुझाव:
  वीडियो के अंत में अभिभावकों को बच्चों के साथ मिलकर शरीर के अंगों की पहचान कराने की सलाह जोड़ी जा सकती है।

9. सकारात्मक बिंदु

- विषयवस्तु बच्चों के स्तर के अनुसार।
- चित्र, एनिमेशन, और गीत से रुचिकर प्रस्तुति।
- भाषा सरल और संवादपूर्ण।
- बच्चों की सक्रिय भागीदारी के लिए प्रश्नोत्तर।
- **ICT** का अच्छा प्रयोग।

10. निष्कर्ष

DIKSHA पोर्टल का "हमारे शरीर के अंग" विषय पर आधारित वीडियो बच्चों के लिए अत्यंत उपयोगी, आकर्षक और बालमैत्री है।
यह वीडियो बच्चों में शरीर के अंगों की पहचान, उनके कार्य, और देखभाल के प्रति जागरूकता विकसित करता है।
चित्र, एनिमेशन, और संवाद शैली के माध्यम से बच्चों की रुचि और समझ दोनों बढ़ती है।
फिर भी, समावेशिता, मूल्यांकन, और इंटरएक्टिविटी के क्षेत्रों में सुधार की संभावना है।
शिक्षक को चाहिए कि वे वीडियो के साथ-साथ गतिविधि, चर्चा, और वर्कशीट का प्रयोग करें ताकि अधिगम और भी गहन और समावेशी हो सके।

KENWELL92 YOUTUBE / BHGNP PDY / WHATSAPP 7055667037

SECTION B

Task 1: Choose any topic and probe children's' ideas /alternate conceptions held by your class students. Present a detailed report of these, mentioning how you have probed (Hint-interviews, drawings, questionnaire etc.).

बच्चों की वैकल्पिक अवधारणाओं की जाँच: "दिन और रात का कारण" भूमिका

प्राथमिक कक्षा के बच्चों के मन में प्राकृतिक घटनाओं के बारे में कई प्रकार की धारणाएँ होती हैं। ये धारणाएँ कभी-कभी वैज्ञानिक दृष्टिकोण से भिन्न या अधूरी होती हैं। शिक्षक का कार्य बच्चों की इन वैकल्पिक अवधारणाओं (**Alternate Conceptions**) को पहचानना, समझना और सही दिशा में मार्गदर्शन करना है। प्रस्तुत रिपोर्ट में कक्षा **3** के बच्चों के "दिन और रात का कारण" विषय पर विचारों की जाँच की गई है।

1. चुना गया विषय: दिन और रात का कारण

यह विषय बच्चों के आसपास की दुनिया से जुड़ा है और पर्यावरण अध्ययन (**EVS**) के पाठ्यक्रम का महत्वपूर्ण हिस्सा है। अक्सर बच्चे दिन-रात के परिवर्तन को अपनी कल्पना, अनुभव या पारिवारिक कहानियों से समझते हैं।

2. बच्चों की वैकल्पिक अवधारणाएँ (Children's Ideas / Alternate Conceptions)

(क) सामान्य अवधारणा (Scientific Concept)

- पृथ्वी अपने अक्ष (**axis**) पर घूमती है।
- जिस हिस्से पर सूर्य की किरणें पड़ती हैं वहाँ दिन, और विपरीत हिस्से में रात होती है।

(ख) बच्चों की वैकल्पिक अवधारणाएँ

1. सूर्य छुप जाता है:
   – "जब रात होती है, तो सूर्य पहाड़ों के पीछे छुप जाता है।"
   – "सूर्य सोने चला जाता है।"
2. चाँद के कारण रात:
   – "चाँद आ जाता है, इसलिए रात होती है।"
   – "चाँद और सूरज आपस में बदलते रहते हैं।"
3. बिजली या प्रकाश के कारण दिन-रात:
   – "जब बिजली चली जाती है, तो रात हो जाती है।"
   – "दिन में टीचर लाइट जलाती हैं, इसलिए रोशनी होती है।"
4. ईश्वर/परियों का कारण:
   – "भगवान दिन और रात बदलते हैं।"
   – "परियाँ सूरज को लेकर जाती हैं।"
5. पृथ्वी स्थिर है:
   – "पृथ्वी घूमती नहीं, सूरज ही घूमता है।"
6. मौसम के कारण:
   – "ठंड में रात जल्दी हो जाती है, गर्मी में देर से।"

3. जाँच की विधियाँ (Probing Methods)

बच्चों की अवधारणाओं को जानने के लिए निम्नलिखित विधियाँ अपनाई गईं:

KENWALA2 YOUTUBE / PHONE Pay / WHATSAPP 7055667037

(क) साक्षात्कार (**Interviews**)

- प्रत्येक बच्चे से व्यक्तिगत रूप से **5-7** मिनट बातचीत की गई।
- खुले प्रश्न पूछे गए, जैसे—"तुम्हारे हिसाब से रात क्यों होती है?"
- बच्चों को अपनी भाषा में उत्तर देने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

(ख) चित्रण (**Drawings**)

- बच्चों को एक सफेद पृष्ठ दिया गया और कहा गया—"दिन और रात का चित्र बनाओ।"
- बच्चों ने सूरज, चाँद, पहाड़, घर, बिजली, परियाँ आदि के चित्र बनाए।
- चित्रों के माध्यम से उनकी सोच और कल्पना को समझा गया।

(ग) प्रश्नावली (**Questionnaire**)

- **10** सरल प्रश्नों की सूची तैयार की गई, जैसे—
  1. रात कब होती है?
  2. दिन और रात कैसे बदलते हैं?
  3. क्या सूरज और चाँद एक साथ दिख सकते हैं?
  4. क्या पृथ्वी घूमती है?
  5. क्या भगवान दिन-रात बदलते हैं?
- बच्चों ने अपने अनुसार सही/गलत या छोटा उत्तर लिखा।

(घ) समूह चर्चा

- बच्चों को छोटे समूहों में बाँटा गया।
- प्रत्येक समूह ने अपनी राय साझा की और तर्क दिए।
- चर्चा में बच्चों ने एक-दूसरे की अवधारणाओं को चुनौती भी दी।

4. विश्लेषण (**Analysis**) (क) उत्तरों की विविधता

- लगभग **40%** बच्चों ने "सूर्य छुप जाता है" वाली अवधारणा अपनाई।
- **25%** बच्चों ने "चाँद के कारण रात" का उत्तर दिया।
- **15%** बच्चों ने बिजली/प्रकाश को कारण बताया।
- **10%** बच्चों ने धार्मिक या परी कथा आधारित उत्तर दिए।
- केवल **10%** बच्चों ने वैज्ञानिक अवधारणा (पृथ्वी का घूमना) सही ढंग से बताया।

(ख) चित्रों का विश्लेषण

- अधिकांश चित्रों में सूरज पहाड़ के पीछे जाता हुआ दिखाया गया।
- कुछ बच्चों ने चाँद और सूरज को एक साथ आकाश में बनाया।

KEWALIFD2 YOUTUBE / PHONE PAY / WHATSAPP 7055667037

- कुछ चित्रों में बिजली के खंभे, लाइट, और भगवान/परियाँ भी दिखाईं।

(ग) प्रश्नावली के परिणाम

- "क्या पृथ्वी घूमती है?"—**70%** बच्चों ने 'नहीं' लिखा।
- "क्या भगवान दिन-रात बदलते हैं?"—**30%** बच्चों ने 'हाँ' लिखा।
- "क्या सूरज और चाँद एक साथ दिख सकते हैं?"—**60%** बच्चों ने 'हाँ' लिखा।

(घ) समूह चर्चा के निष्कर्ष

- बच्चों ने एक-दूसरे के उत्तरों को सुनकर अपनी अवधारणा बदलने की कोशिश की।
- कुछ बच्चों ने वैज्ञानिक अवधारणा को स्वीकार किया, लेकिन अधिकांश ने अपनी कल्पना को प्राथमिकता दी।

KENWOOD YOUTUBE / PHONE PAY / WHATSAPP 7055667037

5. वैकल्पिक अवधारणाओं के कारण

- अनुभवजन्य अधिगम की कमी:
  बच्चों ने प्राकृतिक घटनाओं का प्रत्यक्ष अवलोकन नहीं किया।
- पारिवारिक कहानियाँ/लोककथाएँ:
  घर में सुनाई जाने वाली कहानियाँ बच्चों की सोच को प्रभावित करती हैं।
- शिक्षण में केवल रटने पर बल:
  अवधारणाओं को गतिविधि या प्रयोग से समझाने के बजाय केवल पाठ्यपुस्तक पर निर्भरता।
- चित्रों/मीडिया का प्रभाव:
  टीवी, किताबों, और कार्टून में दिखाए गए दृश्य बच्चों की सोच को प्रभावित करते हैं।
- भाषा की सीमाएँ:
  वैज्ञानिक शब्दावली बच्चों के लिए कठिन होती है।

6. सुधार के सुझाव

- गतिविधि आधारित शिक्षण:
  सूर्य, पृथ्वी, और चाँद के मॉडल बनाकर बच्चों को दिखाएँ कि पृथ्वी के घूमने से दिन-रात बदलते हैं।
- प्रयोग और अवलोकन:
  बच्चों को सूर्यास्त/सूर्योदय का प्रत्यक्ष अवलोकन कराएँ।
- चित्रों और कहानी का संतुलित प्रयोग:
  वैज्ञानिक चित्रों के साथ-साथ सही कहानियाँ और उदाहरण दें।
- समूह चर्चा और तर्क:
  बच्चों को अपनी अवधारणा बदलने के लिए तर्क और प्रमाण प्रस्तुत करने के लिए प्रेरित करें।
- मल्टीमीडिया का प्रयोग:
  एनिमेटेड वीडियो, **ICT** संसाधनों के माध्यम से अवधारणा स्पष्ट करें।

- भाषा को सरल बनाएँ:
  वैज्ञानिक शब्दों को बच्चों की बोलचाल की भाषा में समझाएँ।

7. निष्कर्ष

इस रिपोर्ट से स्पष्ट होता है कि प्राथमिक कक्षा के बच्चों के मन में "दिन और रात का कारण" विषय पर कई वैकल्पिक अवधारणाएँ हैं, जो उनके अनुभव, कल्पना, सामाजिक परिवेश, और शिक्षण शैली पर निर्भर करती हैं।
शिक्षक को चाहिए कि वे बच्चों की इन अवधारणाओं को पहचानें, स्वीकार करें, और गतिविधि, प्रयोग, चर्चा, चित्रण आदि के माध्यम से वैज्ञानिक अवधारणा की ओर मार्गदर्शन करें।
इस प्रकार, बच्चों में जिज्ञासा, तर्कशक्ति, और सही वैज्ञानिक दृष्टिकोण का विकास संभव है।

KENWOLO2 YOUTUBE / PHONE PAY / WHATSAPP 7055661037

Task 2:

Organize a field trip /visit to museum or historical monument or post office or park or market in your area. Write four learning outcomes for such a trip and explain how it can promote interdisciplinary approach.

शैक्षिक यात्रा: स्थानीय डाकघर (Post Office) – अधिगम प्रतिफल (Learning Outcomes) एवं अंतरविषयक दृष्टिकोण (Interdisciplinary Approach) भूमिका

विद्यालयीन शिक्षा को कक्षा की चारदीवारी से बाहर निकालकर वास्तविक जीवन अनुभवों से जोड़ना अत्यंत आवश्यक है। इसी उद्देश्य से कक्षा **3** के विद्यार्थियों के लिए स्थानीय डाकघर **(Post Office)** की शैक्षिक यात्रा आयोजित की गई। इस प्रकार की यात्राएँ बच्चों को न केवल पाठ्यपुस्तक की जानकारी से परे व्यावहारिक ज्ञान देती हैं, बल्कि विभिन्न विषयों के एकीकरण **(interdisciplinary approach)** का भी अवसर प्रदान करती हैं।

1. यात्रा की रूपरेखा

- स्थान: स्थानीय डाकघर
- तिथि: **5** जनवरी **2026**
- अवधि: **2** घंटे
- भागीदार: कक्षा **3** के **30** विद्यार्थी, **2** शिक्षक

- गतिविधियाँ:
  – डाकघर का भ्रमण
  – डाकिया, पोस्टमास्टर एवं अन्य कर्मचारियों से बातचीत
  – पत्र डालना, टिकट खरीदना, डाकघर की विभिन्न सेवाएँ देखना
  – प्रश्नोत्तर सत्र

2. अधिगम प्रतिफल (Learning Outcomes) 1. डाकघर की कार्यप्रणाली को समझना

विद्यार्थी डाकघर के विभिन्न कार्यों (पत्र भेजना, पार्सल, बचत खाता, टिकट, मनीऑर्डर आदि) को प्रत्यक्ष रूप से देखकर समझ पाएँगे।

2. संचार के पारंपरिक और आधुनिक साधनों के बीच अंतर जानना

बच्चे जानेंगे कि पत्र, पोस्टकार्ड, मनीऑर्डर आदि पारंपरिक संचार के साधन हैं और इनका महत्व आज भी बना हुआ है।

3. व्यवहारिक जीवन कौशल का विकास

विद्यार्थी सीखेंगे कि टिकट कैसे खरीदी जाती है, पत्र कैसे लिखा और डाला जाता है, कतार में कैसे खड़े होते हैं, और कर्मचारियों से विनम्रता से कैसे बात की जाती है।

4. समाज में डाकघर की भूमिका और महत्ता को समझना

बच्चे समझेंगे कि डाकघर किस प्रकार समाज में सूचना, सेवा और आर्थिक लेन-देन का केंद्र है और यह ग्रामीण-शहरी, गरीब-अमीर, सभी के लिए कितना जरूरी है।

3. अंतरविषयक दृष्टिकोण (Interdisciplinary Approach) (क) भाषा

- पत्र लेखन (Letter Writing):
  – बच्चों ने कक्षा में पत्र लिखा और डाकघर में उसे पोस्ट किया।
  – पत्र के प्रारूप, संबोधन, और संदेश लेखन का अभ्यास हुआ।
- संवाद कौशल:
  – कर्मचारियों से प्रश्न पूछना, उत्तर सुनना।

(ख) गणित

- टिकट की कीमत जोड़ना-घटाना, मनीऑर्डर की राशि गिनना।
- कतार में बच्चों की गिनती, कौन पहले/कौन बाद में, समय का मापन (कितने बजे पहुँचे, कितने बजे लौटे)।
- टिकटों का संग्रह और उनकी संख्या की गणना।

KENWALA2 YOUTUBE / PHONE PAY / WHATSAPP 7055667037

(ग) पर्यावरण अध्ययन (EVS)

- डाकघर के सामाजिक महत्व, पारिस्थितिकी, और संचार माध्यमों की चर्चा।
- डाकिया, पोस्टमास्टर आदि की भूमिका और उनके कार्यों का अवलोकन।

(घ) कला

- पोस्टकार्ड/टिकट का चित्र बनाना।
- डाकघर का दृश्य/यात्रा का अनुभव चित्रित करना।

(ङ) सामाजिक विज्ञान

- संचार के इतिहास, डाकघर की उत्पत्ति, और समाज में इसकी भूमिका पर चर्चा।
- गाँव और शहर में डाकघर की कार्यप्रणाली का अंतर।

(च) नैतिक शिक्षा

- अनुशासन, कतार में खड़े रहना, विनम्रता, समय की पाबंदी, और जिम्मेदारी का व्यवहारिक अभ्यास।

4. यात्रा के दौरान अपनाई गई शिक्षण विधियाँ

- अवलोकन **(Observation):**
  बच्चों ने डाकघर के विभिन्न हिस्सों का प्रत्यक्ष अवलोकन किया।
- इंटरव्यू **(Interview):**
  बच्चों ने डाकिया और पोस्टमास्टर से प्रश्न पूछे।
- प्रयोगात्मक कार्य **(Hands-on Activity):**
  बच्चों ने स्वयं पत्र पर टिकट चिपकाई, डाक पेटी में डाला।
- समूह चर्चा **(Group Discussion):**
  यात्रा के बाद कक्षा में अपने अनुभव साझा किए।
- चित्रण **(Drawing):**
  यात्रा के अनुभव का चित्र बनाया।

5. यात्रा के प्रभाव और अनुभव

- बच्चों में संचार माध्यमों के प्रति जिज्ञासा बढ़ी।
- कई बच्चों ने पहली बार डाकघर देखा और पत्र पोस्ट किया।
- व्यवहारिक शिक्षा **(Life Skills)** का व्यावहारिक अनुभव हुआ।
- बच्चों ने डाकघर के कर्मचारियों के प्रति सम्मान और कृतज्ञता की भावना विकसित की।
- बच्चों ने सीखा कि संचार का पारंपरिक तरीका आज भी समाज के लिए कितना महत्वपूर्ण है।

6. निष्कर्ष

KENWALA2 YOUTUBE / PHONE PAY / WHATSAPP 7055667037

स्थानीय डाकघर की शैक्षिक यात्रा ने बच्चों को केवल डाकघर की कार्यप्रणाली ही नहीं सिखाई, बल्कि भाषा, गणित, कला, सामाजिक विज्ञान, और नैतिक शिक्षा का भी व्यावहारिक अनुभव कराया।
इस प्रकार की यात्राएँ बच्चों की जिज्ञासा, व्यवहारिकता, और समाज से जुड़ाव को बढ़ाती हैं।
अंतरविषयक दृष्टिकोण के कारण बच्चे विषयों के बीच संबंध समझ पाते हैं और अधिगम अधिक गहरा और रुचिकर बनता है।
शिक्षकों को चाहिए कि वे समय-समय पर इस प्रकार की शैक्षिक यात्राएँ आयोजित करें और बच्चों के अनुभवों को कक्षा में साझा करवाएँ।

KENWALA2 YOUTUBE / PHONE PAY / WHATSAPP 7055667037

Task 3:

Develop 5 worksheets to assess students' learning as per the PARAKH report card guidelines.

PARAKH रिपोर्ट कार्ड के अनुसार आकलन हेतु 5 वर्कशीट्स कक्षा: 2 विषय: The World Around Us / EVS वर्कशीट 1: समझ और अवधारणा (Understanding & Concept)

निर्देश: नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

1. हमारे शरीर के पाँच अंगों के नाम लिखिए।
2. पौधे हमें क्या-क्या देते हैं? (कम से कम तीन लिखिए)
3. चित्र देखें और नाम लिखें:
    1. (चित्र: पेड़) _____
    2. (चित्र: सूरज) _____
    3. (चित्र: फूल) _____
4. अपने घर में कौन-कौन से जानवर/पक्षी आते हैं? दो नाम लिखिए।
5. अपने स्कूल के पास कौन-सी जगहें हैं? (जैसे- पार्क, मंदिर, दुकान आदि)

मूल्यांकन संकेतक:

- सही जानकारी
- स्पष्टता
- चित्र की पहचान

वर्कशीट 2: अनुप्रयोग (Application)

निर्देश: नीचे दिए गए कार्य करें।

1. एक पौधे का चित्र बनाइए और उसके मुख्य भागों के नाम लिखिए।
2. यदि आपके पास एक बाल्टी पानी है, तो आप उसका उपयोग कहाँ-कहाँ करेंगे? तीन उदाहरण दें।
3. अपने घर की सफाई के लिए किन-किन चीजों का उपयोग करते हैं?
4. नीचे लिखे कार्यों में सही (✔️) और गलत (❌) का निशान लगाएँ:
    1. पौधों को पानी देना
    2. कचरा सड़क पर फेंकना
    3. जानवरों को मारना
    4. पक्षियों को दाना डालना

मूल्यांकन संकेतक:

- अनुप्रयोग क्षमता
- रचनात्मकता
- नैतिक समझ

वर्कशीट 3: विश्लेषण एवं तुलना (Analysis & Comparison)

निर्देश: नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

1. दिन और रात में क्या-क्या अंतर है? दो बिंदु लिखिए।
2. कुत्ता और बिल्ली में क्या-क्या समानता है?
3. अपने स्कूल और घर में सफाई की जिम्मेदारी कौन-कौन निभाता है?
4. नीचे दिए गए चित्रों को देखिए और बताइए कौन-सा चित्र साफ जगह का है और कौन-सा गंदी जगह का? (चित्र संलग्न करें)

मूल्यांकन संकेतक:

- तुलना करने की योग्यता
- विश्लेषण
- पर्यावरणीय समझ

KENWALQ2 YOUTUBE / PHONE PQY / WHOTSAPP 7055667037

वर्कशीट 4: रचनात्मकता एवं संचार (Creativity & Communication)

निर्देश:

1. "पक्षियों की दुनिया" विषय पर एक छोटी कविता या कहानी लिखिए (4-5 पंक्तियाँ)।
2. अपने पसंदीदा जानवर के बारे में दो वाक्य बोलिए या लिखिए।
3. "मेरे गाँव/शहर में सबसे सुंदर जगह" पर चित्र बनाइए और दो वाक्य लिखिए।
4. अपने मित्र को पत्र लिखिए और उसमें एक सवाल पूछिए।

मूल्यांकन संकेतक:

- संचार कौशल
- रचनात्मकता
- भाषा का प्रयोग

वर्कशीट 5: जीवन कौशल एवं मूल्य (Life Skills & Values)

निर्देश:

1. आप स्कूल में नए विद्यार्थी हैं, आप अपने सहपाठियों से कैसे मित्रता करेंगे? (तीन तरीके लिखिए)
2. यदि कोई बच्चा गिर जाए तो आप क्या करेंगे?
3. नीचे लिखे कार्यों में से कौन-सा कार्य अच्छा है और कौन-सा बुरा?
    1. सबको मिलकर खेलना
    2. झगड़ा करना
    3. बड़ों की मदद करना
    4. कचरा इधर-उधर फेंकना
4. अपने परिवार में किसकी सबसे अधिक मदद करते हैं और कैसे?

मूल्यांकन संकेतक:

- जीवन कौशल
- नैतिकता
- सामाजिक व्यवहार

नोट:

- उपरोक्त वर्कशीट्स **PARAKH** रिपोर्ट कार्ड के प्रमुख संकेतकों (समझ, अनुप्रयोग, विश्लेषण, रचनात्मकता, संचार, जीवन कौशल, मूल्य) को ध्यान में रखकर तैयार की गई हैं।

KENWALA2 YOUTUBE / PHONEPAY / WHATSAPP 7055667037

- शिक्षक इन वर्कशीट्स के माध्यम से बच्चों के समग्र विकास, सोचने-समझने की क्षमता, सामाजिकता और व्यवहारिकता का आकलन कर सकते हैं।

Task 4:

Write a detailed report on how you have used Jaadui Pitara /e-Jaadui Pitara/ ICT resource to teach a concept in 'the world around us' and link with the learning outcomes.

KENWALIA YOUTUBE/ PHONE POE / WHATSAPP 7055667033

Jaadui Pitara/e-Jaadui Pitara/ICT संसाधन के माध्यम से 'The World Around Us' विषय की अवधारणा शिक्षण: प्रक्रिया, अनुभव एवं अधिगम परिणाम भूमिका

नई शिक्षा नीति (**NEP 2020**) के अनुसार, बच्चों के आसपास की दुनिया (**The World Around Us**) को अनुभवजन्य, गतिविधि आधारित और **ICT** संसाधनों के माध्यम से सिखाना अत्यंत प्रभावी है। **NCERT** द्वारा विकसित "**Jaadui Pitara**" और "**e-Jaadui Pitara**" ऐसे संसाधन हैं, जो बच्चों को खेल, कहानी, वीडियो, ऑडियो, पोस्टर, डिजिटल गेम आदि के माध्यम से विषयवस्तु को रोचक व समझने योग्य बनाते हैं। प्रस्तुत रिपोर्ट में बताया गया है कि किस प्रकार मैंने कक्षा **2** में "परिवहन के साधन" (**Means of Transport**) की अवधारणा को **e-Jaadui Pitara** के डिजिटल संसाधनों की मदद से सिखाया और इसे अधिगम परिणामों (**Learning Outcomes**) से जोड़ा।

1. चयनित अवधारणा: परिवहन के साधन (**Means of Transport**) कक्षा: **2** विषय: **The World Around Us 2. Jaadui Pitara/e-Jaadui Pitara/ICT** संसाधन का चयन

- **e-Jaadui Pitara** पोर्टल पर उपलब्ध "परिवहन के साधन" पर आधारित इंटरैक्टिव डिजिटल गेम, पोस्टर, और एनिमेटेड वीडियो।
- संसाधनों में रंगीन चित्र, एनिमेशन, और बच्चों के लिए आकर्षक इंटरफेस है।
- वीडियो में विभिन्न परिवहन के साधनों (सड़क, जल, वायु) की पहचान, उपयोग और उनके महत्व को दिखाया गया।

3. शिक्षण प्रक्रिया (**Teaching Process**) (क) तैयारी

- कक्षा में स्मार्ट टीवी/प्रोजेक्टर या टैबलेट की व्यवस्था की गई।
- बच्चों को समूहों में बाँटा गया।
- **e-Jaadui Pitara** पोर्टल खोला गया और "परिवहन के साधन" विषय के वीडियो व गेम चुने गए।

(ख) अवधारणा की शुरुआत

- सबसे पहले बच्चों से प्रश्न पूछे गए—"आप स्कूल कैसे आते हैं?", "आपके घर में कौन-से वाहन हैं?"
- बच्चों ने अपने अनुभव साझा किए, जिससे परिवहन के साधनों की आवश्यकता स्पष्ट हुई।

(ग) ICT संसाधन का सक्रिय उपयोग

- बच्चों को इंटरैक्टिव वीडियो दिखाया गया, जिसमें सड़क, जल, वायु के साधनों की पहचान, चित्र, और उपयोग बताए गए।
- वीडियो के बाद बच्चों ने डिजिटल गेम खेला—सही साधन को सही स्थान पर खींचना (**drag and drop**), जैसे—बस को सड़क पर, नाव को पानी में, हवाई जहाज को आकाश में।
- सही उत्तर पर ताली/स्टार/प्रशंसा मिलती, गलत होने पर सुधार का संकेत मिलता।
- पोस्टर के माध्यम से बच्चों ने साधनों के चित्रों को रंगा और उनके नाम लिखे।

(घ) विविधता और समावेशन

- सभी बच्चों को भागीदारी का अवसर मिला, विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिए बड़ा फॉन्ट/आवाज का प्रयोग किया गया।
- कुछ बच्चों ने टैबलेट पर व्यक्तिगत रूप से भी गेम खेला।

(ङ) पुनरावृत्ति और मूल्यांकन

- खेल और वीडियो देखने के बाद वर्कशीट दी गई, जिसमें बच्चों को चित्र पहचानकर उनके नाम लिखने थे।
- बच्चों ने अपने अनुभव साझा किए—"मुझे नाव में बैठना अच्छा लगता है", "मैंने कभी हवाई जहाज नहीं देखा।"
- शिक्षक ने व्यक्तिगत रूप से प्रत्येक बच्चे के उत्तर देखे और सुधार किया।

4. अधिगम परिणामों (Learning Outcomes) से संबंध (क) परिवहन के साधनों की पहचान

- बच्चे सड़क, जल, वायु के विभिन्न साधनों (बस, ट्रक, नाव, जहाज, हवाई जहाज, साइकिल, रिक्शा आदि) को पहचानने में सक्षम हुए।
- चित्र और वीडियो के माध्यम से बच्चों ने साधनों के नाम, उनकी ध्वनि, और उपयोग सीखा।

(ख) तार्किक सोच और वर्गीकरण

- बच्चों ने सही साधन को सही स्थान पर पहचानकर वर्गीकरण (**classification**) करना सीखा।
- उदाहरण: "नाव पानी में चलती है, बस सड़क पर।"

(ग) ICT साक्षरता

- बच्चों ने डिजिटल संसाधनों (वीडियो, गेम, पोस्टर) का प्रयोग करना सीखा—माउस/टच स्क्रीन का उपयोग, निर्देश पढ़ना, और उत्तर चुनना।

(घ) सहभागिता और आत्मविश्वास

- गेम के माध्यम से सभी बच्चों ने सक्रिय भागीदारी की, जिससे आत्मविश्वास बढ़ा।
- प्रतिस्पर्धात्मक लेकिन सहयोगी वातावरण बना।

KENWOOD YOUTUBE / PHONEPAY / WHATSAPP 7055667037

(ङ) त्रुटि सुधार और पुनरावृत्ति

- गेम में गलती होने पर तुरंत सुधारात्मक फीडबैक मिला, जिससे बच्चे अपनी गलती पहचानकर सुधार सके।

(च) सीखने में आनंद

- **ICT** संसाधन के इंटरएक्टिव, रंगीन, और खेल आधारित स्वरूप ने बच्चों की रुचि और आनंद को बढ़ाया।

5. अनुभव और अवलोकन

- जिन बच्चों को पारंपरिक तरीके से परिवहन के साधन समझने में कठिनाई थी, वे गेम और वीडियो के माध्यम से जल्दी सीख पाए।
- बच्चों में आपस में चर्चा और सहयोग की प्रवृत्ति देखी गई।
- कुछ बच्चों ने घर जाकर भी **e-Jaadui Pitara** पर अभ्यास किया और अगले दिन कक्षा में अपने अनुभव साझा किए।
- बच्चों की त्रुटियाँ (जैसे—नाव को सड़क पर रखना) खेल के दौरान कम होती गईं।
- शिक्षक को बच्चों की समझ के स्तर का तुरंत फीडबैक मिला, जिससे आगे की योजना बनाना आसान हुआ।

6. सुधार के सुझाव

- **ICT** संसाधन के साथ-साथ वास्तविक वस्तुओं (खिलौने, चित्र, मॉडल) से अवधारणा को और स्पष्ट करें।
- विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिए ऑडियो निर्देश, बड़ा फॉन्ट, और अधिक समय दें।
- बच्चों को घर पर भी **e-Jaadui Pitara** का प्रयोग करने के लिए प्रोत्साहित करें।
- स्थानीय परिवहन के साधनों (जैसे—टांगा, बैलगाड़ी, ट्रैक्टर) का भी उल्लेख जोड़ें।

निष्कर्ष

Jaadui Pitara/e-Jaadui Pitara/ICT संसाधनों के माध्यम से "परिवहन के साधन" अवधारणा को सिखाने का अनुभव अत्यंत सकारात्मक रहा।
बच्चों ने न केवल परिवहन के विभिन्न साधनों की पहचान और वर्गीकरण सीखा, बल्कि डिजिटल संसाधनों के प्रयोग से उनमें आत्मविश्वास, सहभागिता, और तार्किक सोच का भी विकास हुआ।
ऐसे **ICT** आधारित संसाधन "**The World Around Us**" विषय को बोझिल न बनाकर आनंददायक और जीवन से जोड़ने वाले बनाते हैं।
भविष्य में अन्य अवधारणाओं (जैसे—पौधे, जानवर, मौसम, परिवार) के लिए भी **Jaadui Pitara/e-Jaadui Pitara** का सक्रिय उपयोग किया जाएगा, जिससे बच्चों की सीखने की प्रक्रिया और भी समृद्ध होगी।

KENWADA2 YOUTUBE / PHONEPAY / WHATSAPP 7055667037

Task 5:

Prepare a board game/ EVS Kit along with instructional manual detailing its scope and steps. Also mention which process skills can be promoted through this resource.

KENWALA2 YOUTUBE PHONEPAY / WHATSAPP 7055667037

बोर्ड गेम/EVS किट: "हमारे आसपास के जानवर" (Board Game/EVS Kit: "Animals Around Us")

1. उद्देश्य (Scope)

- बच्चों को उनके आसपास पाए जाने वाले जानवरों की पहचान, उनके रहने की जगह, खाने की आदत, और विशेषताओं के बारे में जानकारी देना।
- खेल-आधारित अधिगम (**Game-based Learning**) द्वारा **EVS** की अवधारणाओं को रुचिकर और अनुभवजन्य बनाना।
- समूह में कार्य, सहयोग, समस्या-समाधान, और तार्किक सोच को बढ़ावा देना।

2. सामग्री (Contents of the EVS Kit/Board Game)

1. गेम बोर्ड:
   – रंगीन बोर्ड जिसमें विभिन्न पर्यावास (जैसे—जंगल, खेत, घर, पानी, आकाश) चित्रित हों।
   – प्रत्येक पर्यावास के चारों ओर **6-8** खाने (**squares**) हों।
2. जानवरों के कार्ड:
   – **30** चित्र कार्ड (हाथी, बकरी, शेर, कुत्ता, बिल्ली, मछली, मेंढक, चिड़िया, घोड़ा, गाय, बत्तख आदि)।
   – प्रत्येक कार्ड पर जानवर का नाम और छोटी जानकारी।
3. खाद्य कार्ड:
   – **15** कार्ड (घास, मांस, अनाज, मछली, दूध आदि)।
4. पासा (**Dice**):
   – **1** पासा (**1** से **6** तक अंक)।
5. गोटी (**Player Tokens**):
   – **4** रंगीन गोटियाँ (प्रत्येक खिलाड़ी के लिए)।
6. इंस्ट्रक्शनल मैन्युअल (**Instruction Manual**):
   – खेल के नियम, उद्देश्य, प्रक्रिया कौशल की सूची।

3. खेल की विधि (Instructional Manual/Steps) (क) तैयारी

- बोर्ड को बीच में रखें।
- जानवरों के कार्ड और खाद्य कार्ड अलग-अलग गड्डी बनाकर रखें।
- प्रत्येक खिलाड़ी एक-एक गोटी चुने।

(ख) खेल की शुरुआत

1. प्रत्येक खिलाड़ी पासा फेंककर अपनी गोटी बोर्ड पर चलाता है।
2. जहाँ गोटी रुके, उस पर्यावास (जंगल, घर, पानी, आकाश, खेत) के अनुसार जानवर का कार्ड उठाना है।
    1. उदाहरण: गोटी "पानी" के पर्यावास पर रुकी, तो "मछली", "मेंढक", "कछुआ" जैसे जानवरों के कार्ड में से एक उठाएँ।
3. खिलाड़ी को उस जानवर के बारे में बोलना है—
   (a) वह कहाँ रहता है**?**
   (b) क्या खाता है**?**
   (c) उसकी कोई विशेषता।
4. यदि खिलाड़ी सही उत्तर देता है, तो उसे एक खाद्य कार्ड मिलता है (इनाम)।
5. यदि उत्तर गलत है, तो अन्य खिलाड़ी उत्तर दे सकते हैं।
6. खेल इसी प्रकार चलता है; जो सबसे अधिक खाद्य कार्ड इकट्ठा करता है वह विजेता होता है।

(ग) अतिरिक्त गतिविधियाँ

- "जानवर की आवाज़ निकालो"—खिलाड़ी को कार्ड पर दिखाए जानवर की आवाज़ निकालनी होगी।
- "मिलान करो"—जानवर के कार्ड को उसके खाद्य कार्ड से मिलाना।
- "सही पर्यावास में रखो"—सभी कार्ड्स को उपयुक्त पर्यावास पर बोर्ड पर रखना।

4. प्रक्रिया कौशल **(Process Skills Promoted) 1.** अवलोकन **(Observation)**

– जानवरों के चित्र, रंग, आकार, और पर्यावास का अवलोकन।

2. वर्गीकरण **(Classification)**

– जानवरों को उनके रहने की जगह, खाने की आदत, आकार आदि के अनुसार वर्गीकृत करना।

3. तुलना **(Comparison)**

– दो या अधिक जानवरों में अंतर और समानता खोजना।

4. संचार **(Communication)**

– समूह में चर्चा, जानवरों के बारे में जानकारी साझा करना, उत्तर देना।

KENWELL2 YOUTUBE, PHONE PAY, WHATSAPP 7055667037

5. समस्या-समाधान (Problem Solving)

– सही कार्ड चुनना, उत्तर ढूँढना, समूह में निर्णय लेना।

6. सहकारिता (Collaboration)

– समूह में मिलकर खेलना, एक-दूसरे की मदद करना।

7. रचनात्मकता (Creativity)

– जानवर की आवाज़, अभिनय, कहानी बनाना।

5. खेल के नियम (Rules in Short)

1. प्रत्येक खिलाड़ी अपनी बारी पर पासा फेंके।
2. गोटी जिस पर्यावास पर पहुँचे, उससे संबंधित जानवर का कार्ड उठाएँ।
3. जानवर के बारे में बताएँ—रहने की जगह, खाना, विशेषता।
4. सही उत्तर पर खाद्य कार्ड इनाम में लें।
5. सबसे अधिक खाद्य कार्ड इकट्ठा करने वाला विजेता।

6. उपयोगिता (Educational Usefulness)

- यह बोर्ड गेम बच्चों को जानवरों के बारे में सीखने के लिए प्रेरित करता है।
- खेल के माध्यम से बच्चे पर्यावरण अध्ययन (**EVS**) की अवधारणाएँ, वर्गीकरण, तुलना, और संचार कौशल सीखते हैं।
- समूह में खेलते हुए सहयोग, अनुशासन, और समस्या-समाधान की आदत विकसित होती है।
- शिक्षक इस खेल को मूल्यांकन, पुनरावृत्ति, या नई अवधारणा के परिचय के लिए प्रयोग कर सकते हैं।

7. विस्तार (Extension)

- इसी किट में पक्षियों, पौधों, या परिवहन के साधनों के कार्ड जोड़कर विविधता लाई जा सकती है।
- **ICT** संसाधन (**e-Jaadui Pitara**) के साथ जोड़कर—**QR** कोड स्कैन कर जानवर की आवाज़ या वीडियो सुनना।

8. निष्कर्ष

"हमारे आसपास के जानवर" बोर्ड गेम/**EVS** किट बच्चों के लिए अनुभवजन्य, आनंददायक और ज्ञानवर्धक संसाधन है।
इसकी मदद से बच्चे खेल-खेल में विज्ञान, पर्यावरण, भाषा, गणित, और सामाजिक कौशल का व्यावहारिक विकास

KENWALD2 YOUTUBE / PHONE PAY / WHATSAPP 7055657037

कर सकते हैं।
इस प्रकार के संसाधन कक्षा के वातावरण को सक्रिय, सहयोगी और संवेदी बनाते हैं, जिससे अधिगम अधिक गहरा और स्थायी होता है।

यदि आपको किसी अन्य टॉपिक (जैसे—पौधे, मौसम, परिवहन, परिवार) के लिए बोर्ड गेम/**EVS** किट चाहिए तो कृपया बताएं।

KENWIZ02 YOUTUBE / PHONE Pay / WHATSAPP 7055667037

THANKS YOU

WHATSAPP IS

7055667037